Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 June 2024

Amar Ujala page - 05

कुलपति ने पौधरोपण कर किया जागरूक

पौधरोपण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। संवाद

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुलपति ने प्राणि विज्ञान विभाग में व्याख्यान में प्रतिभाग कर कल्प वृक्ष तथा मौलश्री के पौधे का रोपण किया। उन्होंने 15वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधरोपण किया। दोपहर बाद 'गोरखपुरिया भोजपुरिया समिति' तथा डीएफओ के सहयोग से विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप परिसर में कई पौधों का रोपण किया। संवाद

Amar Ujala Select Page 05

विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

कुलपति ने पौधरोपण कर किया जागरूक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुलपति ने प्राणि विज्ञान विभाग में व्याख्यान में प्रतिभाग कर कल्प वृक्ष तथा मौलश्री के पौधे का रोपण किया। उन्होंने 15वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधरोपण किया। दोपहर बाद 'गोरखपुरिया भोजपुरिया समिति' तथा डीएफओ के सहयोग से विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप परिसर में आंवला, पीपल सहित कई पौधों का रोपण किया।

Hindustan Page 05

उपलब्धि | दस देशों से प्रवेश के लिए डीडीयू में आए हैं कुल 48 आवेदन, स्टडी इन इंडिया के जरिए बांग्लादेश से सर्वाधिक 15 आवेदन

'स्टडी इन इंडिया' से डीडीयू की बनी अंतरराष्ट्रीय छवि

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारत सरकार की 'स्टडी इन इंडिया' योजना ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में बड़ी सफलता दिलाई है। कुल दस देशों के 48 विद्यार्थियों ने यहां प्रवेश के लिए आवेदन किया है। अभ्यर्थी दूतावासों में अपने कागजात भी सबमिट कर रहे हैं। एनईपी के प्रावधान के मुताबिक विदेशी छात्रों को बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे प्रवेश दिया जाएगा।

डीडीयू में सामान्य तौर पर नेपाल से ही विद्यार्थी पढ़ाई के लिए आते हैं। अब तक साइंस और कॉमर्स में

- प्रवेश के लिए विदेशी छात्र दूतावासों में जमा कर रहे कागजात
- विदेशी छात्रों को बिना प्रवेश परीक्षा के सीधे दिया जाएगा प्रवेश

"एनईपी के अनुरूप अंतरराष्ट्रीयकरण पर केंद्रित हमारे प्रयास फलदायी हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की रुचि ने विश्वविद्यालय की छवि पर सकारात्मक और गहरा प्रभाव डाला है। विदेशी छात्रों के आने पर उन्हें अत्याधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

पीएचडी या पीजी के लिए ही ज्यादातर विद्यार्थी नेपाल से आते रहे हैं। पिछले वर्ष नेपाल से कुल 20 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इस वर्ष केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के जरिए विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए योजना शुरू की है। नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस और क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग समेत कई विदेशी रैंकिंग में स्थान बनाने के बाद डीडीयू को भी इस पोर्टल से जोड़ा गया है।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अत्याधुनिक सुविधाएं: डीडीयू में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुविधा के लिए मैत्री इंटरनेशनल हॉस्टल बनाया गया है। छात्रावास में छात्रों की सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। उन्हें अत्याधुनिक सुविधाएं देने की तैयारी चल रही है।

इन देशों से आए हैं आवेदन: माली, नेपाल, बांग्लादेश, सेनेगल, घाना, नाइजीरिया, अफ़गानिस्तान, वेनेजुएला, लेसोथो और मिस्र के विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। बांग्लादेश से सर्वाधिक 15 आवेदन आए हैं। नेपाल से 11 आवेदन आए हैं। स्टडी इन इंडिया के जरिए 41 आवेदन आए हैं। नेपाल के 7 विद्यार्थियों ने डायरेक्ट आवेदन किया है।

विदेशी छात्रों में इन विषयों का क्रेज: दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र में पीएचडी को 2 आवेदन आए हैं। एमएससी एग्रीकल्चर में सर्वाधिक 13 आवेदन आए हैं। इसके अलावा अन्य आवेदन एमकॉम और एमएससी के विभिन्न विषयों के हैं।

Grrakhpur Super Fast Times

पर्यावरण को अनुकूल बनाने के लिए सभी को करना होगा पौधरोपण- प्रो०पूनम टंडन

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वारा महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ एवं जिला वन विभाग तथा गोरखपुरिया भोजपुरिया के सहयोग से महाराणा प्रताप परिसर में पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु कुलपति प्रो०पूनम टंडन के द्वारा पौधरोपण किया गया। महाराणा प्रताप परिसर स्थित महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ में इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो०पूनम टंडन के संरक्षण में एक पर्यावरण जागरूकता सह-संवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को अनुकूल बनाने में हर व्यक्ति को अपने आसपास एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। पौधरोपण द्वारा ही प्रदूषित पर्यावरण से समाज को बचाया जा सकता है। उन्होंने वृक्षों के रखरखाव पर जोर देते हुए वृक्षों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर घटते पेड़ एवं बढ़ते प्रदूषण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता,छात्र कल्याण प्रो०अनुभूति दुबे,शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ०कुशल नाथ मिश्र,अधिष्ठाता,शिक्षा संकाय,प्रो०सरिता पाण्डेय,डॉ०विभाष मिश्र,डॉ०महेंद्र सिंह,डॉ० अमित उपाध्याय,दीपेंद्र मोहन सिंह,जिला वन अधिकारी विकास यादव,गोरखपुरिया भोजपुरिया के विकास श्रीवास्तव,नरेंद्र मिश्र,सहायक ग्रंथालयी डॉ० मनोज कुमार द्विवेदी,रिसर्च एसोसिएट डॉ०सुनील कुमार,शोध अध्येता हर्षवर्धन सिंह,डॉ० रणंजय सिंह,प्रिया सिंह,चिन्मयानन्द मल्ल आदि बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

विश्वविद्यालय की कुलपति व अन्य कर्मचारियों ने पौधरोपण कर मनाया पर्यावरण दिवस

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सर्वप्रथम कुलपति ने प्राणि विज्ञान विभाग में आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में प्रतिभाग कर कल्प वृक्ष तथा मौलश्री के पौधे का रोपण किया और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतिजागरूक किया। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने एनसीसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 15वीं यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी कैडेट्स के साथ पौधरोपण किया। अपराह्न बाद कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने ह्यगोरखपुरिया भोजपुरिया समितिह्न तथा डीएफओ गोरखपुर के सहयोग से विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप परिसर में आंवला,पीपल सहित कई पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कुलपति ने महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ का भी भ्रमण किया। उक्त अवसरों पर विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

प्राणि विज्ञान विभाग में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो०पूनम टंडन द्वारा पर्यावरण विज्ञान शोध भवन के सामने वृक्षारोपण किया गया। विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो.दिनेश कुमार सिंह ने अपनी धर्मपत्नी डॉ०भारती सिंह के साथ वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व संकायाध्यक्ष, प्रो०अजय सिंह,विभागाध्यक्ष प्रो०रवि कांत उपाध्याय एवं प्रो० विनय कुमार सिंह ने वृक्षारोपण किया। इस आयोजन में डॉ०स्मिता सिंह, डॉ० सुनैना गौतम, डॉ० नुपुर श्रीवास्तवा, डॉ० पंकज श्रीवास्तवा एवं शोध छात्र तथा समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे और पौधारोपण में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शोध छात्र- छात्रा एवं एम०एस-सी० प्राणि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं एक्वाकल्चर के छात्र मौजूद थे। इस अवसर पर श्रेया, प्रवीना, अराधना मौर्या, श्वेता आर्या, आलिया, संजू यादव, तुलसी, राहुल, अभिषेक ने पोस्टर के माध्यम से पर्यावरण की वास्तविक स्थिति को उकेरने का प्रयास किया है।

Inext Page - 04

डीडीयू और एम्स में हुआ पौधरोपण

दर्शनशास्त्र विभाग के वैल्यू एडेड कोर्स का समापन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (5 June): डीडीयूजीयू के दर्शनशास्त्र विभाग में 'भारतीय दार्शनिक परम्परा में मूल्य' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वैल्यू एडेड कोर्स का आज समापन हुआ. कार्यक्रम में प्रो. सरत पाणिग्रही, प्रो. सुशील कुमार तिवारी और प्रो. द्वारका नाथ ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए. समापन सत्र की अध्यक्षता वीसी प्रो. पूनम टंडन ने किया, इस दौरान उन्होंने कहा भारतीय दर्शन मूल्य की दृष्टि से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर बल देता है. वहीं, डॉ. दीपक गुप्ता ने इस पूरे कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें 8 राज्यों के कुल 21 प्रोफेसर के व्याख्यान हुए, इस दौरान डॉ. संजय तिवारी, डॉ. प्रफुल्ल चन्द व अन्य शोधार्थियों और स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे.

दर्शनशास्त्र विभाग के वैल्यू एडेड कोर्स का समापन

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (5 June): डीडीयूजीयू के दर्शनशास्त्र विभाग में 'भारतीय दार्शनिक परम्परा में मूल्य' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वैल्यू एडेड कोर्स का आज समापन हुआ. कार्यक्रम में प्रो. सरत पाणिग्रही, प्रो. सुशील कुमार तिवारी और प्रो. द्वारका नाथ ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए, समापन सत्र की अध्यक्षता वीसी प्रो. पूनम टंडन ने किया, इस दौरान उन्होंने कहा भारतीय दर्शन मूल्य की दृष्टि से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर बल देता है. वहीं, डॉ. दीपक गुप्ता ने इस पूरे कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें 8 राज्यों के कुल 21 प्रोफेसर के व्याख्यान हुए, इस दौरान डॉ. संजय तिवारी, डॉ. प्रफुल्ल चन्द व अन्य शोधार्थियों और स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे.

Rashtra ki Parampara

रोवर्स-रेंजर्स द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधरोपण

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश की दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोवर्स एवं रेंजर्स अनुभाग द्वारा विश्व पर्यारवण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संयोजक, रोवर्स एवं रेंजर्स टीम लीडर रोवर्स एवं रेंजर्स छात्र–छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर संयोजक, रोवर्स एवं रेजर्स प्रो. विनय कुमार सिंह द्वारा छात्र–छात्राओं को वृक्ष के महत्ता को बताते हुए वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। इस दौरान टीम लीडर, डॉ० देवेन्द्र पाल, डॉ० वेद प्रकाश राय, डॉ० श्री प्रकाश सिंह, डॉ गरिमा सिंह, डॉ० अनुपम सिंह, डॉ० गौरव सिंह, डॉ० अंशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे। श्री रोहित सैनी व छात्र–छात्राओं मानुस कसेरा, अभिलाष त्रिपाठी, तनु मिश्र, रनवीर सिंह, पूनम मौर्या, आराध्या यादव खुशी त्रिपाठी व आदि छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

Rashtriya Sahara Page - 05

Swatantra Chetna Page - 05

पर्यावरण को अनुकूल बनाने हेतु प्रत्येक व्यक्ति करे पौधरोपण: प्रो. पूनम टंडन

☐ विश्व पर्यावरण दिवस पर गोरखपुर विश्वविद्यालय में किया गया पौधरोपण

स्वतंत्र चेतना
गोरखपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वारा महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ एवं जिला वन विभाग तथा गोरखपुरिया भोजपुरिया के सहयोग से महाराणा प्रताप परिसर में पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु कुलपति प्रो. पूनम टंडन के द्वारा पौधरोपण किया गया।

महाराणा प्रताप परिसर स्थित महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ में इस अवसर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संरक्षण में एक पर्यावरण जागरूकता सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को अनुकूल बनाने में हर व्यक्ति को अपने आसपास एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।

पौधरोपण द्वारा ही प्रदूषित पर्यावरण से समाज को बचाया जा सकता है।

उन्होंने वृक्षों के रखरखाव पर जोर देते हुए वृक्षों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर घटते पेड़ एवं बढ़ते प्रदूषण के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे, शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय, प्रो. सरिता पाण्डेय, डॉ. विभाष मिश्र, डॉ. महेंद्र सिंह, डा. अमित उपाध्याय, दीपेंद्र मोहन सिंह, जिला वन अधिकारी विकास यादव, गोरखपुरिया भोजपुरिया के विकास श्रीवास्तव, नरेंद्र मिश्र, सहायक ग्रंथालयी डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी, रिसर्च एसोसिएट डॉ. सुनील कुमार, शोध अध्येता हर्षवर्धन सिंह, डॉ. रणंजय सिंह, प्रिया सिंह, चिन्मयानन्द मल्ल आदि बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।